PRINT

नवोदय (Navodaya)

National News Paper	Edition : Delhi	Circulation: 135825
दिनांक (Dated): 20.6 .2026	पृष्ठ सं. (Page No.) 4	क्रम सं. (Serial No.) 14

6 महीने में सीआईएसएफ ने 69 बच्चों को परिवार से मिलवाया

■ मैट्रो और उसके यात्रियों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी, सुरक्षित घर पहुंचे यहीं हमारी कामना:सीआईएसएफ

नई दिल्ली,19 जून (नवोदय टाइम्स):मेट्रो में हर कोई खुद को सुरक्षित महसूस करता है। क्योंकि उनको इसकी सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ जवानों पर उनको भरोसा है कि उनके रहते वो और उनको सामान पूरी तरह से सुरक्षित है।

सीआईएसएफ ने भी यात्रियों का भरोसा कायम किया है। पिछले छह महीने में सीआईएसएफ ने अपना रिपोर्ट कार्ड सामने रखा है। अधिकारियों ने बताया कि इन छह महीने में 69 खोए हुए या घर से भागे बच्चों को बचाया और उन्हें उनके परेशान परिवारों से सुरक्षित मिलाया, जिससे वे गलत हाथों में पड़ने से बच गए। क्विक-रिस्पॉन्स टीमों और स्टेशन स्टाफ ने मुश्किल में फंसी 152 महिला यात्रियों की तुरंत मदद की और उन्हें सहारा दिया, ताकि वे दिन के किसी भी समय सुरक्षित यात्रा कर सकें और सुरक्षित माहौल में रह सकें।

विदेशी यात्रियों की भी सहायता करके उनकी खोई हुई विदेशी करेंसी को उनको लौटाया। इसमें 80 ब्रिटिश पाउंड, 6,000 नेपाली रुपए, 130 सिंगापुर डॉलर और 1.15 करोड़ इंडोनेशियाई रुपए शामिल हैं।

यहीं नहीं 80 ग्राम खुला सोना, सोने की दो चेन, सोने की दो अंगूठियाँ, सोने की बालियों के दो जोड़े और एक कीमती मंगलसूत्र, साथ ही चाँदी के कई गहने,जरूरी प्रोफेशनल डेटा वाले 32 लैपटॉप, 68 मोबाइल फोन और 9 कीमती पर्सनल घड़ी भी उनके मालिकों को लौटाई। भारत में शहरी परिवहन सुरक्षा के लिए गोल्ड स्टैंडर्ड माने जाने वाले सीआईएसएफ डीएमआरसी यूनिट ने दूसरे बेहतरीन सुरक्षा बलों के लिए मुख्य ट्रेनर की भूमिका भी निभाई। इस छह महीने की अवधि में, यूनिट ने 389 बाहरी सुरक्षा कर्मियों को एडवांस्ड फिजिकल फ्रिस्किंग (शरीर की तलाशी) और हाई-टेक गैजेट्स को संभालने की तकनीकों में प्रशिक्षित किया।